हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 13 दिसंबर 2025

12 शहर में दो जगह बनाई जा रही अस्थायी पार्किंग, चालकों को मिलेगी...

12 ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में बिजली कर्मियों ने किया प्रदर्शन

हरियाणा के मेधावी छात्रों के लिए मनाली में लगेगा विंटर एडवेंचर कैंप, हर जिले से 24 विद्यार्थी और दो शिक्षकों का होगा चयन

■ 2 बैचों में होंगे आयोजित, 16 से 28 दिसंबर तक चलेगा विशेष आवासीय शिविर, चयनित छात्रों व शिक्षकों के लिए जारी हुए दिशानिर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग ने प्रदेश के विभिन्न सरकारी विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों के लिए हिमाचल प्रदेश के मनाली में विंटर एडवेंचर कैंप–2025 आयोजित करने की घोषणा की है। इस पांच दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का उद्देश्य छात्रों को साहसिक गतिविधियों, व्यक्तित्व विकास और सांस्कृतिक उत्थान के माध्यम से सर्वांगीण विकास का अवसर प्रदान करना है। पत्र में जारी निर्देशानुसार शीतकालीन शिविरों को 16 से 28 दिसंबर तक दो बैचों में आयोजित किया जाएगा। चयन प्रक्रिया के लिए विस्तृत मानदंड तय किए गए हैं। विभाग द्वारा विद्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए गए हैं कि वे चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से संचालित करें। किसी भी छात्र या शिक्षक को बार-बार अवसर नहीं दिया जाएगा।

पहले बैच में 12 जिले शामिल रहेंगे

पंचकूला, कुरुक्षेत्र, जींद, करनाल, रेवाड़ी, पानीपत, हिसार, रोहतक, सिरसा, फरीदाबाद, झज्जर व कैथल जिले प्रथम बैच में आयोजित शिविर में भाग लेंगे। पहले बैच का रिपोर्टिंग टाइम 15 दिसंबर को शाम चार बजे तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर-15 पंचकूला में रहेगा। कैंप दिवस 16–20 दिसंबर तक होंगे और 21 दिसंबर सुबह सात बजे रिलीव किए जाएंगे।

दूसरे बैच में 10 जिलों होंगे शामिल

इस बैच में सोनीपत, महेंद्रगढ़, अंबाला, नूंह, गुरुग्राम, पलवल, फतेहाबाद, यमुनानगर, भिवानी व छारखी दादरी जिले शामिल रहेंगे। इस बैच के लिए रिपोर्टिंग टाइम और वेन्यू 23 दिसंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक सैक्टर 15 पंचकूला निर्धारित किया गया है। कैंप दिवस 24–28 दिसंबर और रिलीविंग 29 दिसंबर सुबह सात बजे की जाएगी। प्रत्येक जिले से 12 लड़के व एक पुरुष शिक्षक और 12 लड़कियां व एक महिला शिक्षक, कुल 26 प्रतिभागियों को भेजा जाएगा।

छात्रों के लिए चयन मानदंड

पत्र में दिए गए मानदंड के अनुसार कैम्प के लिए योग्य कक्षाएं नौवीं से 12वीं तक निर्धारित की गई हैं। इन कक्षाओं से अच्छे शैक्षणिक रिकॉर्ड वाले 12 लड़के व 12 लड़कियां शामिल किए जाएंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को अपना शारीरिक फिटनेस चिकित्सीय प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से बनाना होगा। शिविर के लिए विद्यार्थियों के चयन के समय उनकी उपलब्धियां भी ध्यान में रखनी होंगी। एनसीसी ए एवं बी प्रमाणपत्र, एनएसएस स्काउट गाइड में भागीदारी वाले विद्यार्थी, विद्यालय, ब्लॉक, जिला, राज्य, राष्ट्रीय स्तर की खेल उपलब्धियां हासिल करने वाले विद्यार्थियों को प्राथमिकता देनी होगी। इन विद्यार्थियों की आउटडोर एडवेंचर गतिविधियों में रुचि होनी चाहिए तथा विद्यालय में व्यवहार रिकॉर्ड उत्कृष्ट होना चाहिए।

एस्कॉर्ट शिक्षकों के लिए चयन मानदंड

कैम्प में विद्यार्थियों के साथ जाने वाले शिक्षकों के चयन के लिए भी विभाग द्वारा मानदंड निर्धारित किए गए हैं। साथ जाने शिक्षक को कोई गंभीर चिकित्सीय समस्या नहीं होनी चाहिए। महिला शिक्षक केवल छात्राओं के साथ ही जाएंगी। किसी भी शिक्षक या विद्यार्थी को परिवार के सदस्य साथ ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त शिक्षक का संपूर्ण अवधि के लिए उपलब्ध होना अनिवार्य है। साथ ही साथ उत्कृष्ट सर्विस रिकॉर्ड व उत्तम शैक्षणिक प्रदर्शन वाले शिक्षक प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।

कैंप में होंगी विविध गतिविधियां

विभाग द्वारा जारी पत्र में लिखा गया है कि प्रतिभागियों को कई साहसिक, शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का अनुभव कराया जाएगा, जिनमें ट्रेकिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, ऑब्स्टेकल क्रॉसिंग फ्लोरा–फौना, नेचर व कल्चर स्टडी, योग, मेडिटेशन, व्यक्तित्व विकास सत्र, कूल्लू दशहरा, मनाली एवं स्थानीय स्थल भ्रमण, कैम्प फायर, रिपोर्ट राइटिंग, लोक नृत्य, रागिनी और अन्य प्रतिभा आधारित प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

नारनौल। अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़ करती मशीन। फोटो :हरिभूमि

रामनगर के पीछे अवैध कॉलोनी में चला पीला पंजा, 15 डीपीसी तोड़ी

नारनौल। जिला नगर योजनाकार की टीम ने शुक्रवार शहरी क्षेत्र रामनगर कॉलोनी के पीछे राजस्व सम्पदा मौजा नारनौल में लगभग दो एकड भूमि में अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इस कार्यवाही में करीब दो एकड भूमि में 15 डीपीसी के साथ-साथ सभी रोड नेटवर्क उखाड़ दिए गए। यह पूरी तोड़फोड़ विभागीय कार्रवाई डयूटी मजिस्ट्रेट सतेन्द्र कुमार, सहायक नगर योजनाकार कार्यालय जिला नगर योजनाकार नारनौल की अगुवाई में पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन की मदद से अमल में लाई गई।

जिला नगर योजनाकार मंदीप सिंह सिहाग ने लोगों से कहा है कि नियन्त्रित क्षेत्र/शहरी क्षेत्र में कोई भी निर्माण बिना विभागीय अनुमति के न करें। निदेशक नगर तथा ग्रारम आयोजना विभाग से लाईसैन्स अनुमति लेने उपरान्त ही कृषि भूमि को रिहायशी अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए परिवर्तित करें अन्यथा चूककर्ताओं के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी। आम जन से बार-बार यहीं कहा जाता है कि किसी भी अवैध कॉलोनी में कोई प्लाट प्रापर्टी डीलर्स के बहकावे में आकर न खरीदें और न ही अवैध निर्माण करें।

खबर संक्षेप

कनीना में स्वास्थ्य जांच शिविर कल

कनीना। सेवा भारती संस्था की ओर से 14 दिसंबर को कनीना में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि शिव लाल धर्मशाला में सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित होने वाले शिविर में रेवाड़ी स्थित निजी अस्पताल के चिकित्सक मनीष वर्मा, आसिफ रहमान, हर्ष व जयश्री की टीम मरीजों की जांच कर दवा वितरित करेंगें। उन्होंने बताया कि शिविर में ईसीजी, बीपी, शुगर की जांच की जाएगी। वहीं परामर्श भी दिया जाएगा।

कनीना कोर्ट में आज होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

कनीना। कनीना न्यायालय में आज शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से विवादों का निपटारा किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए कनीना में बेंच का गठन कर दिया गया है। न्यायालय के जेएमआईसी विशेष गर्ग बार सदस्यों की उपस्थिति में वादों का निपटान करेंगे। बार एसोसिएशन कनीना के पूर्व प्रधान ओपी रामबास ने बताया कि विवादों का निपटान दोनों पक्षों की सहमति से किया जाएगा।

आज होगी हरियाणा रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक

मंडी अटेली। हरियाणा रिटायर्ड कर्मचारी संघ अटेली खंड की बैठक 13 दिसंबर को कस्बे के हनुमान मंदिर पुराने बस स्टैंड पर होगी। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान बलबीर सिंह ने बताया सरकार रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को अनदेखा कर रही है। भारत सरकार अपने बिल में विधेयक में रिटायर्ड कर्मचारियों को लाभ से वंचित करना चाहती है। रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को लेकर आगामी 17 दिसंबर को सभर जिलों के उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

नारनौल। पंचकूला में पुरस्कार हासिल करते नारनौल आईटीआई टीम।

आईटीआई ने जीते 2 लाख के 3 पुरस्कार नेशनल प्रयोगिता में दिल्ली जाएंगे प्रतिभागी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा राज्य स्तरीय युवा महोत्सव 2025 का आयोजन पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित इंद्रधनुष सभागार में हुआ था। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नारनौल के प्रधानाचार्य विनोद कुमार खंगवाल ने बताया कि यह तीन दिवसीय महोत्सव आठ से 10 दिसंबर तक पंचकूला में आयोजित किया गया ।इसका उद्घाटन विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने किया था। समापन अवसर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शिरकत की।यह युवा सशक्तिकरण और उद्यमिता विभाग द्वारा आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम युवाओं की प्रतिभा, सांस्कृतिक एकता और इनोवेशन को बढ़ावा देने पर केंद्रित था।

कीर्ति व दीपांशु रहे प्रथम

कार्यक्रम में महेंद्रगढ़ जिले की टीम ने तीन प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त किया जिसमें विज्ञान प्रदर्शनी (ग्रुप) में कीर्ति और दीपांशु ने प्रथम स्थान पर रहते हुए एक लाख का पुरस्कार जीता। भाषण प्रतियोगिता में जशनदीप कौर ने तीसरे स्थान पर रहते हुए 50000 का पुरस्कार प्राप्त किया और स्टोरी राइटिंग में महेश सोनी ने भी तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए 50000 का पुरस्कार जीता। प्रधानाचार्य ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और बताया कि विजेता प्रतियोगी नेशनल लेवल पर जाएंगे, जिसका आयोजन दिल्ली में भारत मंडपम मे जनवरी 2026 में होना है। जिला महेंद्रगढ़ टीम का नेतृत्व संस्थान के एनसीसी प्रभारी व युवा मामलों के नोडल अधिकारी मेजर वीरेंद्र सेकवाल, अमित कुमार, सुदर्शन कुमार और अनुदेशिका प्रमिला ने किया।

नारनौल में आज राव इंद्रजीत सिंह

■ प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की आने की है उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह शनिवार को नारनौल आएंगे। इस दिन वे मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन, वाइस चेयरमैन व सदस्य शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगे। उनके साथ प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की आने की भी उम्मीद है। इस संबंध में राव समर्थक विकास यादव बड़कोदा ने बताया कि मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल यादव एवं वाइस चेयरमैन सुरेश चौधरी के साथ-साथ नवनियुक्त सदस्यों का शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह मंडी परिसर में सुबह 10:30 बजे किया जाएगा। विधायक ओमप्रकाश यादव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

सुधरेगा सीवरेज व पेयजल सिस्टम नारनौल में भी हटेगा अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की सड़कों पर अतिक्रमण के संबंध में डीसी ने कहा कि एक बार फिर से व्यापारियों को समझाया जाएगा। इसके बाद जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने नारनौल शहर की सीवरेज समस्या के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 16 नवंबर को अनाज मंडी में हुई रैली में ही शहर के पूरे सीवरेज व पेयजल सिस्टम को नए सिरे से बनाने की घोषणा की थी। इसकी मंजूरी भी सरकार ने दे दी है। इसके बाद शहर में सीवरेज की समस्या का सत प्रतिशत निदान हो जाएगा। वहीं शहर की सड़कों पर अतिक्रमण के संबंध में डीसी ने कहा कि एक बार फिर से व्यापारियों को समझाया जाएगा। इसके बाद जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। महेंद्रगढ़ में जिस तरह अतिक्रमण को हटाने के लिए सख्ती बरती गई है, अगर जरूरत पड़ी तो उसी तर्ज पर नारनौल शहर से अतिक्रमण हटाया जाएगा।

■ जिला महेंद्रगढ़ को पर्यटन के क्षेत्र में विश्व पटल पर लाने को लगातार प्रयास : डीसी

उपायुक्त अपने कार्यालय में शुक्रवार दोपहर मीडिया से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला महेंद्रगढ़ को पर्यटन के क्षेत्र में विश्व पटल पर लाने को लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिला के कई ऐतिहासिक स्थलों का जीर्णोद्धार किया गया है। शेष का कार्य पाइपलाइन में है। डीसी आज लघु सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की वन स्टेट वन ग्लोबल टूरिस्ट हब योजना के तहत जिला महेंद्रगढ़ में ऐतिहासिक स्थलों को लेकर और अधिक कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा व राजस्थान के कुछ ऐतिहासिक स्थलों को जोड़ने पर एक अच्छा टूरिस्ट सर्किट बनता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहें। सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन हरियाणा सरकार की योजनाओं तथा सेवाओं का जल्द से जल्द लोगों को लाभ देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि महावीर चौक की रेडलाइट लगाने का शीघ्र ही टेंडर करवाया जाएगा। रेहड़ी सड़कों पर ना दिखे, इसके लिए जगह उपलब्ध करवाने के लिए नगर परिषद के अधिकारियों से बातचीत की जाएगी।

किन्नर विवाद पर बोले डीसी...बाहर के लोगों को यहां नहीं घुसने देंगे

उपायुक्त ने कहा कि वह कुछ दिन बाहर थे। जब यहां आया तो एसपी ने मामला बताया था। कोई भिवानी से गुट है और एक हमारे यहां लोकल लोग है। शायद यह कार्यक्षेत्र की लड़ाई है। एसपी को कहा है कि जिले में किसी भी तरह शांति व्यवस्था नहीं बिगड़नी चाहिए। बाहर के लोगों को हमारे जिले के मामले में हस्तक्षेप की इजाजत नहीं देंगे। यदि कोई इस तरह की कुचेष्टा करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जो यहां के लोग है, उनका स्वागत है। बाहर के लोगों को हम यहां नहीं घुसने देंगे। आपको बताते चले कि पिछले कई दिनों से किन्नर के दो गुटों में कार्यक्षेत्र को लेकर विवाद बना हुआ है। एक गुट भिवानी से आकर यहां कार्यक्षेत्र का दावा कर रहा है तो दूसरा स्थानीय गुट बीते 15 साल से यहां काम करने और दूसरे गुट की दखलअंदाजी का विरोध कर रहा है।

अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई: एसडीएम

महेंद्रगढ़। एसडीएम कनिका गोयल ने कहा है कि अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वीरवार को महेंद्रगढ़ व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में एसडीएम कनिका गोयल ने दुकानदारों को सड़क पर अतिक्रमण न करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम कनिका गोयल ने कहा है कि महेंद्रगढ़ में शॉपिंग कॉम्पलैक्स के बरामदे व सड़कों पर अपना कोई भी स्थाई या बेचने वाली वस्तु नहीं रखेंगे, ताकि आमजन की आवाजाही में कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े। एसडीएम ने कहा कि उन्होंने शॉपिंग कॉम्प्लैक्स में भी दो फिट अस्थाई अतिक्रमण की भी किसी प्रकार की हिदायत जारी नहीं की है। ये अफवाह फैलाई गई है। उन्होंने कहा कि शॉपिंग कॉम्प्लैक्स या शहर में कोई भी दुकानदार सड़क पर अतिक्रमण करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

■ दो फुट अस्थाई अतिक्रमण की भी कोई हिदायत नहीं हुई जारी

विवाह समारोह में शामिल होने गए कारोबारी के मकानों में सेंधमारी

कपड़ा व्यापारी के मकान से 42 लाख की चोरी

■ पीड़ित शिकायत पर घटना स्थल पहुंची पुलिस मौका निरीक्षण किया तथा वारदात के साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

शहर के निजामपुर रोड़ पर स्थित कपड़ा व्यापारी सुनिल कुमार तथाा अनिल कुमार के मकानों में अज्ञात चोरों ने सेंधमारी करके करीब 42 लाख के जेवराहत तथा 1.50 लाख नकदी चुरा ले गए हैं। पीड़ति शिकायत पर घटना स्थल पहुंची पुलिस मौका निरीक्षण किया तथा वारदात के साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाई गई। दोपहर तीन बजे तक छानबीन करके पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके खोजबीन आरंभ कर दी है। जानकारी के मुताबिक पीड़ति सुनिल कुमार और अनिल कुमार ने कपड़े का शोरूम खोल रखा है। 11 दिसंबर को बहन की शादी निर्धारित थी, जिसमें शामिल होने के लिए सुबह नौ बजे मकानों के सभी कमरों तथा प्रवेश गेट पर ताला लगाकर नीमकाथाना रवाना हुए थे।

नांगल चौधरी। घटना स्थल पर चोरों के साक्ष्य जुटाती हुई पुलिस और फारेंसिक टीम।

पुलिस ने जांच की शुरू

परिवार रात की शादी की विभिन्न रस्में पूरी करके सुबह छह बजे वापस नांगल चौधरी मकान पर पहुंचे थी। प्रवेश गेट खोलते ही उन्हें सभी कमरों के दरवाजे खुले हुए मिले। जिस पर उन्हें चोरी की वारदात होने का अंदेशा हो गया था, जिस कारण सभी कमरे तथा अलमारी का तत्परता से अवलोकन किया। इस दौरान कपड़े और अन्य सामान यथावत रखा हुआ पाया, लेकिन अलग-अलग अलमारी में रखे दोनों भाइयों के 150-150 ग्राम सोने और आधा किलोग्राम चांदी के गहने गायब मिले हैं। इसके अलावा 1.50 लाख से अधिक नकदी चोरी हुई है। पीड़तिों ने वारदात की सूचना पुलिस को दी, मौके पर पहुंचे थाना इंचार्ज भगत सिंह ने मौका निरीक्षण किया। जिसमें विनायक गॉर्डन की तरफ से दीवार को फांदकर चोर मकानों में घुसने की पुष्टि हुई है। थाना इंचार्ज ने उच्चाधिकारियों को अवगत कराया तथा फोरेंसिक टीम भेजने का आग्रह किया। इसके बाद करीब एक बजे फोरेंसिक टीम घटना स्थल पहुंची तथा दरवाजे व अन्य प्वाइंटों से चोरों के फिंगर प्रिंट लिए हैं। प्रथम दृष्टया आरोपितों ने वारदात से पहले मकानों की रैकी की है इसलिए उन्होंने बिना सामान को इधर-उधर बखेरे केवल अलमारी में रखे नकदी और गहनों पर हाथ साफ किया है। वारदात के बाद शहर में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। एकत्रित व्यापारियों ने वारदात को जल्द ट्रेस करने की गुहार लगाई है।

कुलताजपुर में दुकानों के ताले तोड़कर 2 दुकानों से हज़ारों का सामान चोरी

नारनौल। सदर थाना के गांव कुलताजपुर में चोरों ने दो दुकानों के ताले तोड़कर वहां से हजारों रुपये का सामान चुरा लिया। एक सीएससी सेंटर में चोर के घुसने की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें चोर दुकान के अंदर घुसा हुआ है, लेकिन चेहरे पर तोलिया डाल रखा है। जानकारी के अनुसार राजस्थान की सीमा से लगते गांव कुलताजपुर में बीती रात चोरों ने चोरी की दो वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने गांव के मुख्य बस स्टैंड पर स्थित आफ़रिया साइबर कैफे (सीएससी) में चोरी की घटना की। सेंटर संचालक मनीष ने बताया कि चोरों ने कैफे से एक गैस सिलेंडर और नगदी पर हाथ साफ किया तथा मौके से फरार हो गए। दुकान मालिक मनीष ने बताया कि सेंटर पर चोर दुकान का शटर तोड़कर नीचे से घुसा, जिसके बाद उसने शीशे के गेट को खोला तथा कंप्यूटर पर रखा तोलिया उठाया।

छाजियावास में मोटर मैकेनिक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव छाजियावास में एक मोटर मैकेनिक ने पशु के बाड़े में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के साले ने गांव निम्बहेड़ा निवासी एक व्यक्ति पर उसको परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल नारनौल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया हैं। इसके अलावा पुलिस ने मृतक के साले की शिकायत पर एक नामजद व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक के साले पुरुषोत्तम कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव सुरानी निवासी है। उसकी बड़ी बहन सर्वेश की शादी 19 वर्ष पहले गांव छाजियावास निवासी संदीप पुत्र हनुमान के साथ हुई थी। उसका जीजा संदीप ने महेंद्रगढ़ में मोटर मैकेनिक की दुकान कर रखी थी। पिछले कुछ दिनों से उसका जीजा संदीप किसी आदमी की वजह से काफी परेशान था। इस बारे में उन्होंने 20 अक्टूबर को अपने मोबाइल फोन में 11 मिनट की एक वीडियो खुद बनाई थी। वह वीडियो संदीप ने उसकी बहन सर्वेस व उनके परिवार में शेयर की थी। वह वीडियो उसने भी देखी थी, वीडियो में संदीप स्पष्ट कह रहा है कि गांव निम्बहेड़ा निवासी एक नामजद व्यक्ति से जीजा संदीप ने करीब 15 वर्ष पहले कुछ रुपये उधार लिए थे और वह पैसे उन्होंने वापिस भी कर दिए थे। फिर भी नामजद व्यक्ति ने संदीप के खिलाफ अदालत में खाली चैक के मुकदमे किसी अन्य नामपता नामालूम व्यक्ति के नाम से लगाकर पिछले तीन–चार वर्ष से काफी परेशान कर रखा था। संदीप ने यह बातें भी उसे बताई थी।

'ना तो कारवां की तलाश' नया नहीं, 1960 का पुराना गाना है

मुंबई। फिल्ममेकर आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का जादू हर तरफ छाया हुआ है, जिसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल लीड रोल्स में हैं। फिल्म को दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है और यही नहीं, फिल्म की बाकी बातों की तरह इसके गानों को भी उतना ही पसंद किया जा रहा है। लोग सबसे ज्यादा तो रणवीर सिंह के एंट्री सॉन्ग 'ना तो कारवां की तलाश है' की बात कर रहे हैं। इस गाने पर खूब रील्स भी कट रहे हैं। धुरंधर में रणवीर सिंह की एंट्री पर बजने वाला गाना 1960 की हिंदी क्लासिक फिल्म 'बरसात की रात' का कव्वाली सॉन्ग 'ना तो कारवां की तलाश है' है। इस फिल्म का निर्देशन पी. एल. संतोषी ने किया था और इसमें भरत भूषण और मधुबाला लीड रोल्स में थे।

लाइफ Style

ऋचा

चाहती थीं काम करना, शरीर और मन नहीं था तैयार

ऋचा चड्ढा आखिरी बार साल 2023 में आई फिल्म 'फुकरे 3' और पिछले साल आई वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में दिखाई दीं। पिछले साल जुलाई में ही उन्होंने बेबी गर्ल को जन्म दिया. तबसे उन्होंने काम नहीं किया और बेबी के साथ ही वक्त बिता रही हैं। अब उन्होंने एक भावुक नोट शेयर किया है।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

ऋचा चड्ढा ने मां बनने के बाद अपने जीवन में आए इमोशनल, फिजिकल और प्रोफेशनल चैलेंजेस के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने लगभग दो साल बाद काम पर लौटने की अपनी जर्नी को भी साझा किया है। उन्होंने ईमानदारी और बेबाकी के मैटरनिटी और एंटरटेमनेंट की दुनिया की सच्चाइयों को बिना किसी लाग-लपेट के सामने रखा है। ऋचा चड्ढा अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों के साथ-साथ नोट भी लिखा है। उन्होंने नोट में काम पर लौटने की मुश्किलों का जिक्र किया है। उन्होंने माना कि भले ही वह जल्दी लौटना चाहती थीं, लेकिन उनका शरीर और मन इसके लिए तैयार नहीं था। उन्होंने बच्चे के जन्म के बाद मानसिक रूप से धीरे-धीरे और जटिल तरीके से उबरने की बात कही। ऋचा चड्ढा ने यह भी बताया कि एक नई मां को खुद को फिर से खोजने के लिए किस तरह के सपोर्ट सिस्टम की जरूरत होती है। ऋचा ने इस संवेदनशील दौर में अपने पेशेवर जीवन में झेली गई तकलीफों का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री में विश्वासघात और नैतिकता की कमी को लेकर खुलकर बात की। ऋचा चड्ढा का पोस्ट सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हस्तियों, खासकर नई मांओं पर कंटेंट बनाने के दबाव की भी आलोचना करता है।

हॉलीवुड मसाला

स्ट्रीट फाइटर का पहला लुक आया सामने

लॉस एंजिल्स। विद्युत जामवाल फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर'से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अब फिल्म से उनका पहला लुक सामने आया है। अपने फर्स्ट लुक में विद्युत बाल्ड लुक में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक रिवील होते ही सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है। लोकप्रिय वीडियो गेम पर आधारित फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर'में विद्युत जामवाल योगी धल्सिम की भूमिका में नजर आएंगे। अब उनका पहला लुक सामने आया है। इस लुक में विद्युत बाल्ड (गंजे) नजर आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में विद्युत मार्शल आर्ट की एक पोजिशन में नजर आ रहे हैं। वो हाथों, पैरों, गले और कानों में अजीब से भारी आभूषण पहने हुए हैं। सिर और चेहरे पर लाल रंग से लाइनें भी बनी हुई हैं।

एक्शन अंदाज में नजर आईं मिली एल्कॉक

लॉस एंजिल्स। डीसी स्टूडियोज की नई फिल्म 'सुपरगर्ल' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में इस फिल्म का टीजर-ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। एक्शन से भरपूर इस टीजर ने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। टीजर-ट्रेलर की शुरुआत एक आम टीनएज लड़की से होती है, जिसकी जिंदगी काफी अस्त-व्यस्त है। लेकिन, परिस्थिति कुछ ऐसी बनती हैं कि उसे अपनी सुपरपावर का इस्तेमाल करना पड़ता है, बुरे लोगों से दुनिया को बचाना पड़ता है। इस काम में उसकी मदद एक अनजान लड़की भी करती है। फिल्म 'सुपरगर्ल' को क्रेग गिलेस्पी ने निर्देशित किया है। फिल्म के टीजर-ट्रेलर के साथ मेकर्स ने रिलीज डेट भी शेयर की है। अगले साल यह फिल्म रिलीज होगी। इस रिलीज की तारीख जून 2026 है। फिल्म 'सुपरगर्ल' में भी 'सुपरमैन' के लेवल का एक्शन और वीएफएक्स देखने को मिल रहा है। विलेन भी काफी खूंखार नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी एक्शन सीन्स पर परफेक्ट बैठ रहा है।

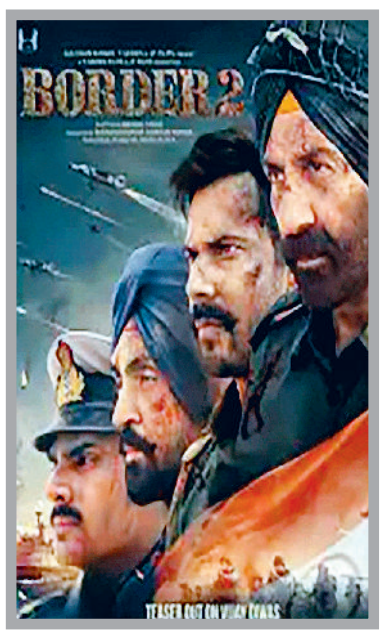

बॉर्डर 2 का टीजर 16 दिसंबर को होगा रिलीज

मुंबई। सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर 'बॉर्डर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फिल्म के टीजर रिलीज को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। साल 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'बॉर्डर 2' का टीजर 16 दिसंबर को विजय दिवस के मौके पर रिलीज किया जाएगा। टीजर की रिलीज डेट घोषित करते हुए मेकर्स की ओर से फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है। इस पोस्टर में फिल्म के चारों नायक सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। अलग-अलग जारी किए गए किरदारों के पोस्टर्स के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह पैदा हो गया है। अब मेकर्स ने एक साथ चारों किरदारों की झलक दिखाई है। इस पोस्टर के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह और भी बढ़ गया है।

फोर मोर शॉट्स प्लीज के चौथे सीजन का आया ट्रेलर

मुंबई। ओटीटी की लोकप्रिय महिला-केंद्रित सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' एक बार फिर अपने दर्शकों से मुखातिब होने को तैयार है। चौथा और फाइनल सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है और इसे देखकर साफ हो जाता है कि इस बार कहानी सिर्फ ग्लैमरस नाइट-लाइफ, रिश्तों और दिल टूटने तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि इस बार बात पर्सनल लड़ाइयों तक जा पहुंची है। इस बार ट्रेलर में काफी कुछ खास देखने को मिलेगा। अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 दिसंबर को स्ट्रीम होने वाली इस सीरीज में सिद्धि, उमंग, दामिनी और अंजना अपने जीवन के उस मोड़ पर खड़ी नजर आती हैं, जहां उन्हें यह स्वीकार करना पड़ता है कि अब बदलाव जरूरी है। ट्रेलर में चारों दोस्त खुद को सुधारने के लिए छह महीनों की चुनौती लेती दिखती हैं।

टीवी मसाला

केबीसी में 25 लाख रुपए के सवाल पर गोल्ड मेडलिस्ट ने भी मानी हार

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के एक एपिसोड की शुरुआत रोलओवर कंटेस्टेंट शीतल के साथ हुई जो कृषि विज्ञान से जुड़े फील्ड में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उन्होंने बिग बी द्वारा पूछे गए शुरुआती दस सवालों का बड़े अच्छी से जवाब दिया और सुपर संदूक राउंड में 8 सवालों का सही जवाब देकर अपनी लाइफलाइन 'ऑडियंस पोल' जिंदा कर दी है। अमिताभ बच्चन ने कंटेस्टेंट शीतल से कंटेस्टेंट 12.50 लाख रुपए के 12वें सवाल फंस गई थीं। हालांकि, उन्होंने अपनी बची दोनों लाइफलाइन 50-50 और संकेत सूचक का इस्तेमाल किया और जोखिम उठाते खेल जारी रखा। बिग बी ने कंटेस्टेंट से सवाल पूछा, 'टेस्ट शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर कौन हैं, जो टेस्ट टीम की पहली कप्तान भी थीं?' विकल्प हैं- ए. डायना एडुल्जी, बी. शांता रंगस्वामी, सी. नीतू डेविड, डी. शुभांगी कुलकर्णी। कंटेस्टेंट ने रिस्क उठाते हुए विकल्प बी. शांता रंगस्वामी को चुना, जो सही है। बिग बी ने फिर कंटेस्टेंट से 25 लाख रुपए का 13वां सवाल पूछा, 'आइसैक न्यूटन ने 1687 में अपनी रचना, 'प्राकृतिक दर्शन के गणितयी सिद्धांत'किस भाषा में प्रकाशित की थी?' विकल्प हैं- ए. यूनानी, बी. फ्रेंच, सी. लैटिन, डी. अंग्रेजी। कंटेस्टेंट शीतल ने इस सवाल पर गेम क्विट कर दिया और 12.50 लाख रुपए जीतकर घर लौटीं। इस सवाल का सही जवाब है- लैटिन।

'क्योंकि सास' में होगी नए चेहरे की एंट्री

नई दिल्ली। स्टार प्लस के सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में अब शो में एक नए चेहरे की एंट्री होने जा रही है। शो में छह साल के लीप की बात भी बरखा बिष्ट ने कंफर्म की है। शो में नए चेहरे और 6

साल के लीप के बाद फैंस को बहुत सारे ट्विस्ट और टर्न देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो शो में संदीप बसवान की एंट्री हो सकती है। संदीप की एंट्री शो में साहिल वीरानी के रूप में होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, संदीप बसवान शो में नए ट्विस्ट और टर्न लेकर आएंगे। संदीप बसवान शो के पहले सीजन का भी हिस्सा थे। सीजन 2 में उनके रिटर्न को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। हालांकि, मेकर्स या संदीप की तरफ से इस बात का कोई कंफर्मेशन नहीं आया है। रिपोर्ट्स की मानें तो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में लीप के बाद अंगद और वृंदा का पेरेंटहुड दिखाया जाएगा। दोनों के दो बच्चे दिखाए जाएंगे। वहीं, मिहिर और तुलसी के बीच दूरी भी देखने को मिलेगी। शो का जो नया प्रोमो आया है उसमें दिखाया गया कि तुलसी अंगद और वृंदा के साथ चॉल में रह रही होगी।

सस्पेंस-थ्रिलर से लेकर कॉमेडी-रोमांस तक ओटीटी पर रिलीज हुआ एंटरटेनमेंट का सुपरडोज

नई दिल्ली। दिसंबर का दूसरा शुक्रवार ओटीटी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं। साल के आखिर में जहां प्लेटफॉर्म्स अपनी सबसे मजबूत लाइनअप सामने ला रहे हैं, वहीं 12 दिसंबर को एक ही दिन में पांच दमदार रिलीज ने वीकेंड को पहले से एक्साइटेड बना दिया है। नेटफ्लिक्स से लेकर जी 5 और जियो हॉटस्टार तक- हर प्लैटफॉर्म ने ऐसा कंटेंट पेश किया है जो मनोरंजन के अलग-अलग टेस्ट को पूरा करता है। सस्पेंस, कॉमेडी, फैमिली ड्रामा, इमोशन्स और रोमांच- इस बार की लिस्ट में सबकुछ देखने को मिल रहा है।

वेक अप डेड मैन: ए नाइव्स आउट मिस्ट्री

डेनियल क्रेग की वापसी के साथ नाइव्स आउट सीरीज का नया अध्याय दर्शकों में रोमांच भरने के लिए तैयार है। यह कहानी एक ऐसे धार्मिक समुदाय में होने वाली हत्या के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो पहली नजर में भले ही शांत दिखे, लेकिन भीतर कई रहस्यों को छिपाए बैठा है। जासूस बेनोइट ब्लांक इस बार एक युवा पादरी के साथ मिलकर उस पहेली को सुलझाने निकलता है जो असंभव लगती है। अनोखे किरदार, तनाव और चौंका देने वाले मोड़ों के कारण यह फिल्म मिस्ट्री प्रेमियों के लिए परफेक्ट वॉच है। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है।

कांता

1950 के दशक का मद्रास, बदलते सामाजिक ढांचे का दौर और उसके बीच पैदा हुआ रचनात्मक तनाव- 'कांता' अपनी पृष्ठभूमि और प्रस्तुति के कारण एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। दुलकर सलमान, राणा दग्गुबाती और समर्थ कलाकारों की टोली इस पीरियड मिस्ट्री को ऊंचाई देती है। फिल्म उद्योग की प्रतिस्पर्धा से शुरू होने वाली कहानी जल्द ही एक स्याह मोड़ लेती है जब हत्या की गुत्थी खुलती है। विंटेज अंदाज और रहस्य का मिश्रण इसे विशेष बनाता है।

सिंगल पापा

हल्की-फुल्की कॉमेडी और इमोशनल टच चाहने वालों के लिए यह नई सीरीज काफी अच्छी साबित होने वाली है। कुणाल खेमू एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका में हैं, जिसकी जिंदगी तलाक के बाद अचानक करवट लेती है- जब वह एक बच्चे को गोद ले लेता है। बेपरवाह और बचकाने स्वभाव वाला गौरव गेहलोत जब पेरेंटिंग की जिम्मेदारियों में घिरता है, तो परिवार की प्रतिक्रियाएं और हालात मजेदार भी बनते हैं और भावुक भी। रिश्तों, जिम्मेदारियों और नए आरंभ की यह कहानी दिल को छूने वाली है। ये सीरीज नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है।

कुछ हद तक हंसाती है कपिल की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2'

नई दिल्ली। सोचिए अगर एक ही आदमी मोहन, महमूद, माइकल और मंजीत चार किरदार निभाए, चार धर्मों में अलग-अलग बीवियां रखे तो उसका हश्र क्या होगा? बस इतनी कहानी है फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' की। फिल्म की शुरुआत होती है भोपाल शहर के रहने वाले मोहन शर्मा (कपिल शर्मा) से जो सानिया (वरीना) से बेहद प्यार करता है। सानिया से शादी करने के चक्कर में मोहन के सामने ऐसी-ऐसी सिचुएशन आती है कि उसे रूही (आयशा खान), मीरा (त्रिधा चौधरी) और जेनी (पारुल गुलाटी) से भी शादी करनी पड़ जाती है। अब अंत में मोहन अपना असली प्यार कैसे पाता है? यह आपको फिल्म देखकर पता चलेगा।

कैसा है अभिनय ?

कपिल शर्मा कॉमेडी तो कर सकते हैं पर एक्टिंग में सिर्फ कॉमेडी नहीं करनी होती, यह उन्हें समझना होगा। हालांकि, उनका काम पहले से बेहतर है पर रोमांटिक गानों और इमोशनल सीन में वो फीके लगते हैं। हां, कॉमिक टाइमिंग और पंच मारने में उन्हें कोई टक्कर नहीं दे सकता। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि उन्होंने यह फिल्म अपने कंधों पर संभाली है। चार हीरोइन वाली इस फिल्म में आयशा और त्रिधा का काम अच्छा है। पारुल कहीं-कहीं फीकी रहीं। वरीना के तो एक्सप्रेशन पूरी फिल्म में गायब ही रहे। मनजोत ने इस फिल्म को बखूबी संभाला है। अखिलेंद्र मिश्रा और विपिन शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार भी इस फिल्म के संभालते हैं। सुशांत का रोल छोटा है पर उनका काम ठीक है। असरानी के कुल चार सीन हैं और उन्हें देखकर अच्छा लगता है। पूरी फिल्म में जैमी लीवर की ओवरएक्टिंग और एक ही टोन इरिटेट करती है।

क्या बेहतर?

यह फिल्म चार धर्मों की बात करती है पर कहीं भी ऐसा डायलॉग या सीन नहीं है जो किसी धर्म को आहत करे। यह कमाल राइटर का है। फिल्म में कपिल शर्मा, मनजोत सिंह, विपिन शर्मा, अखलेंद्र मिश्रा जैसे कलाकार आपको हंसाते हैं। कुछ पंच और कुछ सीन अच्छे बन पड़े हैं। एक गाना छोड़ दें तो परिवार के साथ इस फिल्म के देख सकते है। फिल्म के लास्ट सीन में आपके लिए एक सरप्राइज है, जो अच्छा है।

100वीं फिल्म 'श्री राघवेंद्र' थी, जिसमें उन्होंने हिंदू संत राघवेंद्र स्वामी का किरदार अदा किया

जब बस कंडक्टर को हुआ एमबीबीएस स्टूडेंट से प्यार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 1975 में जब सिनेमाघरों में कल्ट फिल्म शोले रिलीज हुई थी। ठीक उसी दिन 15 अगस्त 1975 को भारतीय सिनेमा में एक ऐसे शख्स ने कदम रखा था, जो इससे पहले बस कंडक्टर का काम करता था। उस वक्त किसी को नहीं पता था कि आगे चलकर ये एक्टर हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा सुपरस्टार रजनीकांत बन जाएगा।

मराठी परिवार में हुआ जन्म

रजनीकांत का जन्म 12 दिसंबर 1950 को एक मराठी परिवार में हुआ था। उनके पिता पुलिस हेड कांस्टेबल थे। फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले रजनी का नाम शिवाजी राव गायकवाड़ था। रजनी जब महज चार वर्ष के थे तब उनके सिर से मां का साया हट गया। घर की आर्थिक स्थिति खराब थी। इस वजह से रजनीकांत को बचपन में कई संघर्षों से गुजरना पड़ा।

के. बालचंद्र ने पहचानी रजनी की प्रतिभा

एक्टिंग सीखने के दौरान ही रजनीकांत की मुलाकात दिग्गज फिल्म निर्देशक के. बालचंद्र से हुई। के. बालचंद्र ही वो निर्देशक हैं, जिन्होंने रजनीकांत की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें पहली बार अपनी फिल्म में मौका दिया। के. बालचंद्र ने ही शिवाजी राव गायकवाड़ को रजनीकांत नाम दिया। रजनीकांत का नामकरण 27 मार्च 1975 को होली के मौके पर हुआ था और दिन था गुरुवार। जिसे रजनीकांत अपने लिए शुभ मानते थे।

पहली फिल्म में निभाई निगेटिव भूमिका

रजनीकांत ने साल 1975 में आई फिल्म 'अपूर्व रागंगल' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। यह फिल्म 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी, जिस दिन हिंदी सिनेमा की कल्ट फिल्म शोले भी रिलीज हुई थी। उस वक्त रजनीकांत की उम्र 25 वर्ष थी। डेब्यू फिल्म में वे एक छोटी सी निगेटिव भूमिका में दिखाई दिए। कुछ वक्त तक इसी तरह के रोल किए। इसके बाद उनके पास लीड रोल का ऑफर आना शुरू हो गया और देखते ही देखते वे इस कदर सफलता की सीढ़ियां चढ़ते गए कि आज फैंस उन्हें भगवान का दर्जा देते हैं। फिल्मी दुनिया में रजनीकांत का क्या कद है, यह दुनिया जानती है।

अमिताभ बच्चन के साथ की बॉलीवुड में शुरुआत

दक्षिण सिनेमा में कॅरियर शुरू करने के करीब आठ साल बाद रजनीकांत ने बॉलीवुड का रुख किया। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'अंधा कानून' थी। साल 1983 में रिलीज हुई इस फिल्म में रजनीकांत ने हेमा मालिनी, अमिताभ बच्चन, प्राण, अमरीश पुरी और डैनी डेंगजोंग्पा जैसे कलाकारों के साथ काम किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त रही। इसने बजट से करीब चार गुना अधिक कारोबार किया है।

फिल्मों में आने से पहले थे बस कंडक्टर

फिल्मों में आने से पहले रजनीकांत का जीवन काफी संघर्षमय था। फिल्मों में आने से पहले रजनीकांत एक कुली और बस कंडक्टर रह चुके हैं। उन्होंने ऑफिस बॉय के रूप में भी नौकरी की। हालांकि, बस कंडक्टर रहते हुए रजनी के टिकट बेचने का तरीका काफी स्टाइलिश था, जिसकी वजह से वो यात्रियों और बस ड्राइवर्स व कंडक्टरों में काफी मशहूर भी थे।

निम्मी के प्यार में थे 'थलाइवा'

हीरो बनने से पहले जब रजनीकांत बस कंडक्टर थे, उस वक्त वो एक लड़की के प्यार में थे। लड़की का नाम निर्मला था, लेकिन रजनीकांत उन्हें प्यार से निम्मी बुलाते थे। रजनीकांत ने अपनी बायोग्राफी 'द नेम इज रजनीकांत'में इस किस्से का जिक्र किया है। रजनीकांत आज जो भी हैं, वो निम्मी की वजह से ही हैं। निर्मला एमबीबीएस की स्टूडेंट थीं। रजनीकांत अक्सर उनसे मिलते थे। निम्मी ने ही रजनीकांत को अभिनय कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित किया था। रजनीकांत, निम्मी के साथ शादी के सपने देखने लगे थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

10 साल में कर डालीं 100 फिल्में

रजनीकांत के कॅरियर की गाड़ी चल पड़ी तो उनके पास फिल्मों के भी खूब ऑफर आने लगे। इस बात का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि अपने कॅरियर के 10 वर्षों में उन्होंने 100 फिल्में पूरी कर डालीं। अभिनेता की 100वीं फिल्म 'श्री राघवेंद्र' थी, जिसमें उन्होंने हिंदू संत राघवेंद्र स्वामी का किरदार अदा किया।

भिवानी की तीनों सिटी सब डिविजन के कर्मचारियों ने दो घंटे तक जताया विरोध

एचएसईबी वर्कर यूनियन ने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में किया प्रदर्शन

आरोप-मैनेजमेंट और सरकार ने जो ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू की है वह कर्मचारी हित में नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पूरे प्रदेश में ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में एचएसईबी वर्कर यूनियन संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ केन्द्रीय वार्ता समिति के आहवान पर 12 से 16 दिसंबर तक चल रहे आंदोलन के अंतगर्त भिवानी की तीनों सिटी सब डिविजन, सिटी सब डिविजन नंबर एक व सिटी सब डिविजन नंबर दो के कर्मचारियों द्वारा दो घंटे का विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता सिटी सब डिविजन के प्रधान परमानंद यूडीसी ने की तथा संचालन सिटी यूनिट सचिव अशोक बेनिवाल ने किया। विशेष तौर पर उपस्थित एचएसईबी के सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निगम मैनेजमेंट व सरकार ने जो ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू की है वह कर्मचारी हित में नहीं है। इसमें बहुत सी खामिया हैं। निगम मैनेजमेंट इसको तुरंत प्रभाव से रद्द करे। क्योंकि पूरे प्रदेश में बिजली कर्मचारियों की भारी कमी है। जिससे दुर्घटनाए घटने की घटनाएं बढ़ जाएंगी जिससे आम जनता को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इससे पहले भी जो ट्रांसफर पॉलिसी लागू की गई थी उसमें अधिकारियों द्वारा अपने चहेतों की सीटें ब्लॉक करने का कार्य किया गया था। आने वाले समय में चाहे डिवीजन लेवल पर, सर्कल लेवल पर प्रदर्शन किए जाएंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ उपप्रधान मोंटी कथूरिया, रमेश यादव, अनिल कादमा, पवन धनाना, सुरेन्द्र एफएम, सुदर्शन यादव, श्रवण, विनोद, विकास सांगवान, जयबीर यादव, सुनील चहल, संदीप शर्मा, नरेश पंघाल, पवन जेई, लालचंद जेई, अजय जेई, सुनील सीए, विनय सांगवान, राकेश, विनोद, पूजा लाइनमैन, पूजा एएलएम, बाला देवी, शक्ति हुड्डा, दीनेश, अजय पंघाल, कपिल एएफमएम, अजय पंघाल, मनप्रीत सिंह, जोगेंद्र एएफएम, रमेश चांग, राजेश सुमरा खेड़ा, सुधीर एएफएम समेत अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिवानी। मांगों को लेकर प्रदर्शन करते कर्मचारी।

बाढड़ा। मांगों को लेकर धरने पर बैठे कर्मचारी।

बाढड़ाः बिजली कर्मियों ने किया प्रदर्शन

बाढड़ा। प्रदेश सरकार द्वारा बिजली विभाग में आनलाईन तबादला पालिसी के खिलाफ कर्मचारी लामबंद होने लगे हैं। हरियाणा इलेक्ट्रिक बोर्ड संगठन ने हरियाणा कर्मचारी महासंघ के बैनर के नीचे दो घंटे की हड़ताल कर जुई रोड़ स्थित उपमंडल बिजली कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उपमंडल बिजली कार्यालय में सब यूनिट अध्यक्ष अरविंद छिल्लर की अध्यक्षता व मंच संचालन रमेश कुमार की अध्यक्षता में संचालित धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर बताया कि सरकार बार बार तबादला नीति में बदलाव कर कर्मियों का शोषण कर रही है जो न्यायसंगत नहीं है। एक तरफ तो बिजली विभाग में वेतन विसंगति से लेकर कर्मचारियों की कमी से पहले ही काम का दबाव झेल रहे हैं लेकिन ऊपर से बार बार तबादला कर उनको बेवजह परेशान किया जा रहा है। आज बाढड़ा उपमंडल कार्यालय में उपकरणों की कमी के कारण कर्मचारी हर समय मौत के साए में काम करने को मजबूर हैं वहीं सरकार नए उपकरण या अन्य सुविधा देने से पूरी तरह कंजूसी बरत रही है।

तोशाम में बिजली निगम कर्मचारियों ने जताया रोष

तोशाम। शुक्रवार को केंद्रीय परिषद के आह्वान पर एचएसईबी वर्कर्स यूनियन की तोशाम सबडिवीजन नंबर एक व तोशाम सबडिवीजन नंबर दो की संयुक्त इकाई द्वारा ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में 2 घंटे का रोषपूर्ण प्रदर्शन तोशाम के सब डिवीजन कार्यालय परिसर में किया गया। इस प्रदर्शन की अध्यक्षता संयुक्त रूप से सब डिवीजन प्रधान मुनीष व संजय कुमार द्वारा की गई। इस दौरान मंच संचालन संयुक्त रूप से सब डिवीजन सचिव रामवीर व संदीप ने किया। इस मौके पर उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सिटी यूनिट सचिव राजकुमार जटासरा ने हरियाणा सरकार की ऑनलाइन पॉलिसी की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने मांग की की बिजली बोर्ड को इस ऑनलाइन पॉलिसी से बाहर रखा जाए और कर्मचारियों को जोखिम भत्ता दिया जाए। इस मौके पर राजेंद्र, बिल्लू, कृष्ण, वीरेंद्र, पवन कुमार, जगजीवन, वीरेंद्र, रामवीर, सोमपाल, दीपक गोयल, रामपाल संडवा, अनिल कुमार, वजीर सिंह, विकास, भूपेंद्र, महेंद्रपाल, वीरेंद्र आदि कर्मचारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

डॉक्टरों ने दिया जीवन रक्षक प्रशिक्षण

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार के वरिष्ठ विभाग की प्रार्थना सभा में जे.बी. गुप्ता अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा जीवन रक्षक प्रशिक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों व शिक्षकों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षा संबंधी आवश्यक कौशल से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ डॉ. एलबी. गुप्ता (एमबीबीएस., एमडी मेडिसिन), डॉ. मनदीप (एमबीबीएस, एमडी, डीएमट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर), डॉ. उदित आनंद गुप्ता, डॉ. रिचा अरोड़ा (एमबीबीएस, एमडी एनेस्थीसिया) तथा डॉ. संदीप राठौर (डी.एन.बी. मेडिसिन) की टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ. एलबी. गुप्ता एवं डॉ. मनदीप की टीम ने शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं को बेहोश व्यक्ति की जान बचाने से संबंधित जीवन रक्षक तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उप-प्राचार्य दीपक वशिष्ठ, वरिष्ठ विभाग प्रमुख एलेक्जेंडर दास, अमरेंद्र कुमार, संगीताचार्य गोविंद प्रताप मिश्रा, सूरजमान लांबा, पुनीत पुरूथी, राजेश मोदी, सत्य सचिन भारद्वाज, खेल प्रशिक्षक कपिल शर्मा, आचार्या गरिमा शर्मा, काउंसलर ममता शर्मा, मोनिका मेहता, सारिका अरोड़ा, सुमन तंवर, कविता तंवर, रितु शर्मा, अनीता, सुमन रानी, कुमारी किरण, रितु शर्मा, पूनम तंवर, ज्योति, नीलम एवं किरण मखीजा आदि स्टाफ उपस्थित रहा।

जागरुकता ही बचाव का बड़ा हथियार : संदीप

भिवानी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) केवल एक रोजगार योजना नहीं, बल्कि ग्रामीणों का कानूनी अधिकार है। इसी अधिकार को सशक्त बनाने और कार्यों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से भिवानी जिले की ग्राम पंचायत धनाना प्रथम व धनाना-तृतीय में सोशल ऑडिट की ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2024-2025 के तहत हुए विकास कार्यों का गहन सोशल ऑडिट किया गया। यह पूरा सोशल ऑडिट अभियान सोशल ऑडिट यूनिट चंडीगढ़ की निदेशक जसप्रीत कौर के दिशानिर्देशों के तहत आयोजित किया गया। बैठक में ग्रामीणों और मनरेगा मजदूरों को उनके हकों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) पिंकी और विलेज रिसोर्स पर्सन (वीआरपी) संदीप कुमार ने मजदूरों को संबोधित करते हुए कहा कि जागरुकता ही शोषण से बचने का सबसे बड़ा हथियार है। ग्राम सभा की अध्यक्षता के लिए सर्वसम्मति से हरिकिशन को प्रधान चुना गया। इस दौरान धनाना प्रथम की सरपंच ममता व धनाना तृतीय के सरपंच राजेश ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए मौके पर मौजूद मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से सुना।

योग के प्रति किया जागरूक

बाढडा। आयुष्मान आरोग्य मंदिर जेवली में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेंद्र चांदवास के मार्गदर्शन में वाई ब्रेक अभियान के तहत योगा इंस्ट्रक्टर कुमारी मोनिका ने योग करवाते हुए लोगों को योग के प्रति जागरूक भी किया। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार आयुष विभाग व योग विभाग हरियाणा के तत्वावधान में चल रहा है। इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेंद्र चांदवास ने बताया कि यह योग ब्रेक प्रोटोकॉल एक छोटे समय का योग सत्र है। यह पांच मिनट का योग प्रोटोकॉल है। डॉ चांदवास ने बताया कि योग करने से तन व मन को शांति मिलती है। मनुष्य का शारीरिक व मानसिक तनाव कम होता है। शरीर की अकडब दूर होती है और उसकी दैनिक कार्यों के प्रति एकाग्रता भी बढ़ती है। मन खुश रहता है,पाचन तंत्र भी सही रहता है। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेंद्र चांदवास ने समस्त कर्मचारियों व आमजन से आग्रह किया है कि वो वाई ब्रेक योग प्रोटोकॉल को अपने दैनिक जीवन का अहम हिस्सा बनाएं ताकि स्वस्थ रह सके। इस अवसर पर कुमारी मोनिका, मुन्नी देवी व अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

राजपूत समाज के लिए मांगी लोस व राज्यसभा सीट

भिवानी। राजपूत समाज के लिए मांगी लोकसभा व राज्यसभा सीट हरियाणा प्रदेश में राज्यसभा व लोकसभा में राजपूत समाज के सदस्य को प्रतिनिधित्व देने की मांग को लेकर राजपूत सभा के अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिला व उनके माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप तंवर कर रहे थे। मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में संदीप तंवर ने कहा कि 1 नवंबर 1966 को पंजाब से अलग होकर हरियाणा प्रदेश का गठन हुआ था। गठन के 59 वर्षों के इस सफर में प्रदेश ने काफी उन्नति की है और समय समय और लगातार प्रदेश के सभी वर्गों को लोकसभा व राज्यसभा में उचित प्रतिनिधित्व मिला है। परन्तु बड़ी विडंबना रही है कि इस 59 वर्षों के सफर में किसी भी सरकार व राजनेताओं का ध्यान इस तरफ नहीं गया कि राजपूत समाज को भी राज्यसभा व लोकसभा में प्रतिनिधित्व मिले।

मांगों को लेकर कर्मचारियों की बैठक आयोजित

भिवानी। स्वास्थ्य विभाग कोर कमेटी की बैठक स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान दीपक तंवर की अध्यक्षता में सामान्य अस्पताल में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन कोषाध्यक्ष कर्मबीर ने किया। बैठक में विभिन्न विषयों पर गहनता से चर्चा की और फैसला लिया कि जिन कर्मचारियों की 2 महीने से सैलरी नहीं आई हुई तथा जिनके पोर्टल पर नाम शो नहीं हो रहे। झूठे आश्वासनों के सिवा आज तक किसी भी बात का समाधान नहीं मिला। जिसके कारण कर्मचारी एवं उन पर आश्रित परिवार भूखे मरने की कगार पर आ गया है और जिला प्रशासन आंखें बंद करके बैठा हुआ है। बैठक में सर्व सहमति से फैसला लिया गया है कि अगर जल्द से जल्द सभी कर्मचारियों के पोर्टल पर नाम शो नहीं होते एवं बकाया वेतन का भुगतान शीघ्र नहीं किया जाता तो आने वाले समय में यूनियन बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होगी।

किसान खेत मजदूर संगठन ने गांव दुल्हेड़ी में दिया धरना

तोशाम। मांगों को लेकर धरने पर बैठे प्रदर्शनकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेता तथा ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के अध्यक्ष कॉमरेड सत्यवान और अन्य किसान नेताओं पर हुए हमले, अपहरण और पुलिस द्वारा हिरासत में लेने के विरोध में शुक्रवार को ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने तोशाम क्षेत्र के गांव दुल्हेड़ी में सांकेतिक धरना देकर विरोध जताया। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर कारपोरेट हितैषी और किसान मजदूर विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगा जोरदार नारे लगाए। इस मौके पर जिला प्रधान रोहतास सिंह सैनी ने बताया कि यह शर्मनाक घटना 9 दिसंबर को उस समय हुई जब कॉमरेड सत्यवान और अन्य साथी ओडिशा के जमुनापोसी गांव, क्योंझर जिला से लौट रहे थे। यहां उन्होंने जिंदल पोस्को प्रतिरोध मंच के बैनर तले संघर्ष कर रहे ग्रामीणों की एक आमसभा को संबोधित किया था। ग्रामीण अपनी उपजाऊ कृषि भूमि को पोस्को और जिंदल द्वारा जबरन छीने जाने से बचाने के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज देश आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है,रोजगार हैं नहीं। ऐसे हालात में किसान थोड़ी सी जमीन पर खेती करके अपने परिवार का पेट भर रहे हैं।

दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में पौधरोपण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

जिला स्तरीय महाराजा शूरसैनी जयंती 20 दिसंबर को सैनी नगर, रविदास मंदिर रोड पर धूमधाम से मनाई जाएगी। इस उपलक्ष्य में श्री सैनी धर्मशाला धर्मार्थ ट्रस्ट एवं नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। कार्यक्रमों की शुरुआत कोंट रोड मिनी बाईपास, काली माता मंदिर रोड स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में पौधरोपण अभियान के साथ की गई। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मंदिर की प्रबंधक उर्मिला सैनी व संस्था के पर्यावरण रक्षक जेई बिजेश जावला ने कहा कि पेड़ पृथ्वी का आधार हैं और किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत पौधरोपण से करना आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारा कर्तव्य है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को विशेष अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। संतों की जयंती केवल मनाएं नहीं, बल्कि एक पेड़ लगाकर उनके आदर्शों को धरती पर रोपित करें। पेड़ लगाना ही संतों के संदेश परमार्थ, करुणा और कल्याण को व्यावहारिक रूप से जीना है। संत-महापुरुषों की स्मृति में हर वर्ष एक पेड़ लगाकर उनकी शिक्षाओं को पीढ़ियों तक जीवंत रखें। उन्होंने बताया कि उनके बताए मार्ग पर चलते हुए पेड़ लगाना समाज और प्रकृति के प्रति हमारी सच्ची निष्ठा है। नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने आगामी सात दिनों में सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं जन-जागरूकता से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर शनिवार को रविदास समाज कल्याण ट्रस्ट आश्रम, ढाना लाडनपुर में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सत्संग कार्यक्रम आयोजित होगा।

भिवानी। पौधे लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए।

फतेहगढ़ के मनीष कुमार बने लेफ्टिनेंट

चरखी दादरी। गांव फतेहगढ़ निवासी मनीष कुमार को 12 दिसंबर को भारत सरकार द्वारा भारतीय सेना में कप्तान के पद पर पदोन्नत किया गया है। सेना चिकित्सा कोर में अपनी सेवाएं दे रहे कैप्टन मनीष कुमार वर्तमान में जैसलमेर में तैनात हैं। पदोन्नति समारोह के दौरान आयोजित पीपिंग सेरेमनी में उनकी पत्नी शिल्पा एवं लेफ्टीनेंट कर्नल भारतमणि चौधरी ने उन्हें नए रैंक बैज पहनाकर सम्मानित किया। यह पल उनके परिवार तथा पूरे गांव के लिए गर्व और भावनाओं से भरा हुआ रहा। मुख्य रूप से यह पल उनके पिता कृष्ण कुमार के लिए विशेष सम्मान का पल है, जो स्वयं सेना में बतौर सैनिक 30 वर्षों की सेवा करने के बाद सेवानिवृत हुए हैं। विशेष उल्लेखनीय है कि मनीष कुमार ने अपने सैन्य करियर की शुरुआत बतौर सैनिक की थी। कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने एसएसबी का साक्षात्कार पास करते हुए अफसर रैंक तक पहुंचने की उपलब्धि हासिल की। वह अपने गांव के ऐसे इकलौते उदाहरण बने हैं जिन्होंने सैनिक से अधिकारी तक का प्रेरणादायक सफर तय किया है। उनकी यह उपलब्धि युवा पीढ़ी को सेना में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने वाला एक मजबूत संदेश है।

होटलों में की जांच, पुलिस रही मुस्तैद

बाढड़ा। बोंद थाना क्षेत्र से गायब महिला के सुराग के लिए पुलिस ने कस्बे के सभी होटलों की जांच की तथा रिकार्ड का मिलान किया लेकिन शाम तक कोई सफलता नहीं मिल पाई। जानकारी के अनुसार बोंद पुलिस क्षेत्र से एक महिला के गायब होने की जांच में उसके मोबाइल की लोकेशन बाढड़ा के मुख्य क्रांतिकारी चौक के आसपास मिली। शुक्रवार दोपहर को कस्बे में पहुंची बोंद पुलिस टीम में आधा दर्जन महिला व पुरुष पुलिस कर्मी थे जिन्होंने कस्बे के जुई, दादरी रोड स्थित दर्जन भर होटलों के उपस्थिति रजिस्टर व अन्य जांच की। इस दौरान कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु नहीं मिली। दूसरे पुलिस स्टेशन से टीम के छापेमारी की जानकारी मिलते ही होटल संचालकों में हड़कंप मच गया।

पंजाबी जागृति मंच ने बांटे स्वेटर व जुराब

- स्कूलों में गरीब बच्चों की फीस तथा जरूरतमंदों को फ्री राशन देते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

पंजाबी जागृति मंच द्वारा सर्दी के मौसम को देखते हुए हनुमान ढाणी स्थित राजकीय प्राईमरी स्कूल में 100 बच्चों को स्वेटर व जुराब वितरीत की। पंजाबी जागृति मंच के प्रधान दर्शन कुमार मिड्डा ने कहा कि मंच द्वारा हर साल जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर, जूते, जुराब व किताबें बांटता रहता है। उन्होंने बताया कि मंच की तरफ से अनेक स्कूलों में गरीब बच्चों की फीस तथा जरूरतमंदों का फ्री राशन भी दिया जाता है। मंच की रिश्तों की फ्री सर्विस कृष्णा कालोनी कार्यालय में चलाई जा रही है। इस अवसर पर बाल योगी महंत चरण दास ने पंजाबी जागृति मंच के इस कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर जगननाथ गंभीर, विनोद गाबा, घनश्याम सनेजा, ओमप्रकाश सुखीजा, राधाकृष्ण चावला, कृष्ण कुमार हंस, नरेन्द्र दीवान एडवोकेट, भारत भूषण महता, मदन लाल कामरा, विजय कथूरिया, सोहन लाल सचदेवा, पुनीत महता, ओमप्रकाश दुरेजा, संजीव खुराना व स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

भिवानी। जरूरतमंदों में स्वेटर व किताबें वितरित करते हुए।

पंडित लख्मीचंद को भारत रत्न दिए जाने की उठाई मांग: हनुमान

- संगठन ने सभी लोकसभा सांसदों, राज्यसभा सदस्यों, पीएम, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद को भारत रत्न प्रदान किए जाने, उनके नाम से अनुसंधान केंद्र एवं सांस्कृतिक संग्रहालय स्थापित किए जाने की मांग लोकसभा में सोनीपत से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी द्वारा उठाए जाने पर म्हारी संस्कृति म्हारा स्वाभिमान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान कौशिक व अन्य संस्कृति प्रेमियों ने आभार जताया। हनुमान कौशिक ने बताया कि उपरोक्त मांगों को लेकर संगठन ने सभी लोकसभा सांसदों, राज्यसभा सदस्यों, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति व राष्ट्रपति को पत्र लिखा जा चुका है। उन्होंने केंद्र सरकार व राष्ट्रपति से मांग करते हुए कहा कि सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद को भारत रत्न प्रदान करने से पूरे देश में कवियों का मान-सम्मान बढ़ेगा। वे एक मात्र ऐसे दार्शनिक, आध्यात्मिक व पौराणिक और सामाजिक लेखनी के धनी थे। जिनकी रचनाओं को लाखों की तादाद में लोग पसंद करते हैं। उनकी रचनाओं से आज लाखों कलाकारों के परिवारों का भरण पोषण हो रहा है। हनुमान कौशिक ने कहा कि आगामी 23 दिसंबर से 27 दिसंबर तक लख्मीचंद आश्रम उमरावत में पांच दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू, 14 को होगा भव्य समापन समारोह

सेरला में सजा खेल और शिक्षा का महाकुंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गांव सेरला में शुक्रवार का दिन युवाओं के जोश और खेल भावना के नाम रहा। सेवाभाव सोशल वेलफेयर समिति के तत्वावधान में आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ अत्यंत उत्साहपूर्ण और सजीव माहौल में किया गया। समिति ने खेल के साथ-साथ शिक्षा को भी इस आयोजन का मुख्य केंद्र बनाकर ग्रामीण परिवेश में एक नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया है। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए क्षेत्र की तीन प्रमुख हस्तियां विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। जिसमें सुनील सांगवान सिरसी मंडल अध्यक्ष भाजपा, डा. विजेंद्र कस्वां जिला महासचिव और सुशील केडिया पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन शामिल रहे। अतिथियों ने फीता काटकर और खिलाडिय़ों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने समिति की सराहना करते हुए संयुक्त रूप से कहा कि ग्राम स्तर पर खेल और शिक्षा को एक साथ बढ़ावा देना युवाओं के सर्वांगीण विकास की कुंजी है। सेवाभाव समिति की यह पहल न केवल सराहनीय है, बल्कि यह गांव के युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखकर उन्नति की राह पर ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम है। उद्घाटन के बाद वॉलीबॉल के मैच शुरू हुए, जो बेहद रोमांचक रहे। खिलाडिय़ों ने अपनी टीम भावना और शानदार स्मैश व डिफेंस से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा खेल मैदान दर्शकों की तालियों और उत्साह से गूंजता रहा।

भिवानी। दीप प्रज्ज्वलित करके खेलकूद प्रतियोगिता शुरू करवाते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मास्टर विनोद जांगड़ा, नरेश सोनी, विकास पुनिया, विनोद खारसू, रामचंद्र फौजी, चांदराम खारसू, सतबीर जांगड़ा ने बताया कि सेवाभाव सोशल वेलफेयर समिति का उद्देश्य केवल शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास भी है। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय महोत्सव का समापन 14 दिसंबर को एक भव्य समारोह के साथ होगा। इस दिन वॉलीबॉल और शिक्षा प्रतियोगिता दोनों के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। समिति ने सभी क्षेत्रवासियों से समापन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

सुशासन सप्ताह 19 से 25 दिसंबर तक मनाएंगे

तोशाम। एसडीएम रवि मीणा ने बताया कि सरकार द्वारा सुशासन सप्ताह 19 से 25 दिसंबर तक मनाया जाएगा। जिसके तहत शासन और प्रशासन मिलकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते है, जिसमें 'प्रशासन गांव की ओर' अभियान के तहत ग्रामीण विकास पर विशेष जोर देगा। हरियाणा का सुशासन सप्ताह 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें प्रशासन को जनता के करीब लाकर, प्रक्रियाओं को सरल बनाकर और कर्मचारियों को प्रेरित करके शासन में सुधार किया जाता है। वहीं सीएम विंडो, सेवा का अधिकार, और अंत्योदय परिवार उत्थान योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को सीधा लाभ पहुंचाना जाता है और उत्कृष्ट कर्मचारियों को सुशासन पुरस्कार देकर सम्मानित करना शामिल है।

सार्वजनिक सूचना

मै कमल जीत कौर पुत्र स्व. जोगेंद्र सिंह पुत्र किशन सिंह मौहल्ला दशमेश नगर नारनौल तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे पिता का देहान्त 05.05.2025 को हो गया है। वहीं मेरी माताजी का देहान्त मेरे पिता के देहान्त से करीब 35 वर्ष पूर्व ही हो चुका है। मेरे पिता की एक प्रोपर्टी 100 वर्गगज जिसकी प्रोपर्टी आईडी नं0 3NPIHJD8 है। मेरे पिता के देहान्त के बाद उनके निम्न कानूनी वारिस है। 1 गुरमीत कौर पुत्री 2 कमल जीत कौर पुत्री है। इनके अलावा उनके और कोई कानूनी वारिस नहीं है। इस बाबत किसी को कोई एतराज हो तो वह 30 दिन के अन्दर नगर परिषद मे अपना एतराज दर्ज करवाएं। उक्त शपथ पत्र पूर्णतया सत्य है जिसकी सारी जिम्मेदारी मेरी है।

सार्वजनिक सूचना

मै कमल जीत कौर पुत्र स्व. जोगेंद्र सिंह पुत्र किशन सिंह मौहल्ला दशमेश नगर नारनौल तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरे पिता का देहान्त 05.05.2025 को हो गया है। वहीं मेरी माताजी का देहान्त मेरे पिता के देहान्त से करीब 35 वर्ष पूर्व ही हो चुका है। मेरे पिता की एक प्रोपर्टी 100 वर्गगज जिसकी प्रोपर्टी आईडी नं0 3NCJILR3 है। मेरे पिता के देहान्त के बाद उनके निम्न कानूनी वारिस है। 1 गुरमीत कौर पुत्री 2 कमल जीत कौर पुत्री है। इनके अलावा उनके और कोई कानूनी वारिस नहीं है। इस बाबत किसी को कोई एतराज हो तो वह 30 दिन के अन्दर नगर परिषद मे अपना एतराज दर्ज करवाएं। उक्त शपथ पत्र पूर्णतया सत्य है जिसकी सारी जिम्मेदारी मेरी है।

खबर संक्षेप

स्थापित होगा स्वचालित मौसम प्रणाली केंद्र

कनीना। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, आईआईटीएम पुणे के साथ समझौता होने के बाद स्वचालित मौसम प्रणाली केंद्र महिला महाविद्यालय उन्हानी में स्थापित होगा। बता दें कि भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तसाशी संस्थान है। स्वचालित मौसम केंद्र वायु की गति, दिशा, तापमान, नमी तथा प्रति घंटा रेनफॉल व मौसम संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े एकत्र करता है।

'स्ट्रीट वेंडर' ले सकते हैं ऋण सुविधा का लाभ

कनीना। कनीना शहर में रहकर रेहड़ी-फडी के रूप में काम करने वाले छोटे एवं मझोले दुकानदारों को पीएम 'स्वनिधि योजना' के अंतर्गत ऋण देने के लिए पंजीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। इस बारे में नगरपालिका कनीना की चेयरपर्सन डॉ रिम्पी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित यह योजना 'स्ट्रीट वेंडर'के लिए महत्वाकांक्षी योजना है। जो छोटे दुकानदारों के आर्थिक हितों को ऊपर उठाने के लिए काफी मददगार है।

मंदिर में हुई शनिदेव मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

नारनौल। गांव सेका में स्थित पावर हाउस के नजदीक शनिदेव की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इससे पूर्व मूर्ति की गांव में कलश व शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर देशी घी का भंडारे का भी आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। क्षेत्र के गांव सेका में शनिवार को शिव मंदिर परिसर में पंडित जितेंद्र महाराज द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शनि देव महाराज की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इससे पूर्व मूर्ति की गांव के विभिन्न मोहल्लों में ढोल-नगाड़ों के साथ शोभा यात्रा निकाली गई।

समाज सेवा हर किसी का कर्तव्य होना चाहिएः आर्य

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शहबाजपुर में क्षेत्र के समाजसेवकों के द्वारा स्कूल के 85 बच्चों को स्वेटर और जूते और जुराब वितरित किए गए। इस कार्यक्रम के केंद्र बिंदु रहे समाजसेवी वेदप्रकाश आर्य ने बच्चों के भविष्य के लिए समाज में फैली हुई नशा जैसी बीमारियों से दूर रहने के लिए प्रतिज्ञा करवाई। इसके साथ-साथ सुभाष सोनी डीपी ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि बच्चों को खेल के प्रति अपनी रुचि बढ़ानी चाहिए।

महावीर चौक पर छात्रों को पढ़ाए यातायात के पाठ

नारनौल। यातायात पुलिस सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पूरी तरह से एक्शन मोड में है। पुलिस द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शुक्रवार शहर के मुख्य महावीर चौक पर यातायात पुलिस द्वारा एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। यहां पुलिस कर्मियों ने स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की बारीकियों से अवगत कराया गया।

संकरे सड़क मार्ग पर वाहनों की पार्किंग होने से पहले दिन ही बढ़ी अव्यवस्था

फायर स्टेशन प्रांगण में तहसील कार्यालय स्थापित होने से दमकल वाहन का रास्ता बाधित, बढ़ेगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

तहसील कार्यालय को पंचायत समिति के कंडम भवनों से निकालकर दमकल विभाग के भवनों में स्थापित कर दिया। यहां विभागीय कामकाज शुरू होते ही संकरे सड़क मार्ग पर वाहनों की लंबी पार्किंग हो गई। साथ ही प्रांगण में बाइकों की भी और खोखों व वकीलों के चेंबर स्थापित होने से फायर बिग्रेड का रास्ता बाधित हो गया। शुक्रवार को दमकल विभाग ने कर्मियों ने फायर बिग्रेड को रन करके रास्ते का अवलोकन किया है, किंतु वाहनों की भीड़ से वाहन को बाहर निकालने में ही 15 मिनट लग गई। ऐसे में आपात काल का सामना करना पड़ा तो जानलेवा हादसों को टालना मुश्किल हो सकता है। आपको बता दें कि नांगल चौधरी उपमंडल को पांच साल पहले फायर स्टेशन सुविधा उपलब्ध कराई गई थी। विभागीय भवन का आबादी क्षेत्र से बाहर निर्माण कराया गया था, ताकि आपात परिस्थितियों में दमकल वाहनों को सड़क जाम की समस्या नहीं रहे। लेकिन पंचायत समिति के कंडम भवनों में कर्मचारियों और लोगों को जानलेवा संकट उत्पन्न होने पर तहसील कार्यालय को दमकल विभाग के भवनों में बुधवार की सुबह शिफ्ट कर दिया था। वीरवार की सुबह सभी कर्मचारी निजी वाहनों की मदद से दमकल कार्यालय पहुंच गए। सैकड़ों लोग भी बाइकों पर सवार होकर विभिन्न दस्तावेज तैयार कराने के लिए तहसील कार्यालय में पहुंच गए थे। जिस कारण दमकल विभाग के प्रांगण और बाहर सड़क के किनारे पर वाहनों की भीड़ हो गई। इसी दौरान दमकल विभाग ने फायर बिग्रेड की मॉक डील की गई, कर्मचारियों ने अग्निशमन वाहन को तत्परता से रवाना होने के आदेश दिए। लेकिन वाहनों की भीड़ से गंतव्य रास्ता बाधित बना हुआ था। ऐसे में विभागीय कर्मियों ने करीब 15 मिनट कड़ी मश्कत करके फायर बिग्रेड को बाहर निकाला है। इस अव्यवस्था के चलते एक घंटे तक तहसील और दमकल विभाग का कामकाज प्रभावित रहा है।

नांगल चौधरी। तहसील कार्यालय के वाहनों की भीड़ में फंसी फायर ब्रिगेड गाड़ी और रास्ते में खड़े वकील। *फोटो : हरिभूमि*

रास्ते में शराब के ठेके से महिलाएं चिंतित

तहसील कार्यालय में पहुंची रेशमी देवी, मोनिका, संतोष देवी, बबीता, कोमल ने बताया कि अवैध सवारी वाहन चालकों को 20 रूपए किराया भुगतान करके गौशाला गेट तक पहुंचे हैं। इसके बाद करीब एक किलोमीटर पैदल चलकर तहसील कार्यालय तक आना संभव हो पाया है। रास्ते में शराब का ठेका तथा सुनसान एरिया लगने से अपराधिक हादसे की चिंता बनी रही है। उन्होंने बताया कि वापसी के लिए पैदल ही शहर तक पहुंचना पड़ेगा।

आपातकाल में रहेगी परेशानी

दमकल विभाग के फायरमैन इंद्रसिंह ने बताया कि यहां तहसील कार्यालय स्थापित होने से वाहनों की भीड़ बढ़ गई। दूसरी तरफ सड़क मार्ग संकरा है जिस पर आमने-सामने के वाहनों को साइड लेना संभव नहीं। शुक्रवार की सुबह मॉक डील करके फायर बिग्रेड को शहर की तरफ रवाना किया था। किंतु वाहनों की भीड़ होने के कारण फायर बिग्रेड को प्रांगण से बाहर निकालना ही संभव नहीं हो पाया। उपायुक्त से विभाग को सुरक्षित जोन उपलब्ध कराने की मांग की है।

पार्किंग न होने से आमजन और दुकानदारों को परेशानी

शहर में दो जगह बनाई जा रही अस्थायी पार्किंग, चालकों को मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर में अब लोगों को जाम से काफी राहत मिलेगी। नगर पालिका की ओर से शहर में अस्थायी पार्किंग बनाने काम शुक्रवार से शुरू कर दिया गया है। नगर पालिका की ओर से शहर के बालाजी चौक के पास एक निजी धर्मशाला में पार्किंग बनाए जाने की तैयारी की जा रही है, यह जगह पिछले कई वर्षों से बंद पड़ी है तथा लोग वहां पर गंदगी के ढ़ेर लगाए हुए थे। नगर पालिका की ओर से शुक्रवार को जेसीबी व ट्रॉली के माध्यम से सफाई करवाई गई है। इसके अलावा नगर पालिका कार्यालय के सामने खाली पड़ी जगह पर भी अस्थाई पार्किंग बनाई जाएगी।

बता दें कि शहर में पार्किंग न होने से आमजन और दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा। शहर के बाजार में करीब चार से पांच हजार वाहन सड़कों पर खड़े किए जाते हैं। इसके कारण आए दिन जाम लगा रहता है। शहर के मुख्य बाजारों में दुकानदार पहले ही अतिक्रमण किए हुए हैं और उसके बाद लोगों द्वारा पार्किंग के अभाव में सड़कों पर मनचाही जगह वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे अच्छी खासी चौड़ी सड़क एक संकरी गली बन जाती है। सिनेमा रोड पर पंजाब नेशनल बैंक एवं एसबीआई होने के कारण दोनों ओर वाहनों की पार्किंग होने से वहां प्रतिदिन जाम लग जाता है। इससे आमजन को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। ऐसे ही हालत शहर के शॉपिंग कॉम्पलैक्स, शंकर मार्केट, गांधी मार्केट, रेलवे रोड, आईटीआई रोड, गोशाला रोड, विश्वकर्मा चौक, परशुराम चौक आदि स्थानों रोड पर गाड़ियां व दो पहियां वाहन खड़े रहते हैं। आए दिन शहर की मुख्य सड़कों एवं बाजारों में पांच हजार से अधिक वाहन सड़कों पर खड़े रहते जो लोगों की परेशानियां बढ़ा रहे हैं। मुख्य बाजारों में सुबह व शाम के समय जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। शहर में स्थाई पार्किंग के अभाव में लोग भी मनचाहे स्थानों पर वाहन पार्किंग करने को मजबूर हैं, जिससे अच्छी खासी चौड़ी सड़कें भी सिमटकर रह जाती हैं।

महेंद्रगढ़। पार्किंग के लिए जेसीबी मशीन की सहायता से सफाई कराते दरोगा राजेंद्र कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

सड़कों पर बेतरतीब वाहनों से नहीं होगी परेशानी

शहर में आबादी के साथ वाहनों की संख्या दो गुनी बढ़ गई है। प्रतिदिन शहर में अनुमानित दो हजार चौपहिया व तीन हजार दुपहिया वाहन बाजारों में सड़कों पर इधर-उधर खड़े रहते हैं। वाहनों की वजह सड़के संकरी हो जाती है और वहां जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। पार्किंग के अभाव में वाहन चोरी होने का खतरा रहता है। नपा के गठन के बाद अभी तक के कार्यकाल में अनेक बार पार्किंग की योजनाएं बनी, लेकिन एकबार भी धरातल पर नहीं उतर पाई। नई सरकार के कार्यकाल को भी करीब साढ़े तीन साल का समय बीत चुका है। पहली ही बैठक में पार्किंग के प्रस्ताव पर मुहर लगाई लगाई गई थी, लेकिन अभी तक धरातल पर नहीं उतर पाई है। वहीं पुलिस भी आए दिन वाहनों का गलत पार्किंग होने के कारण चालान कर रही है, लेकिन शहर में नपा द्वारा कहीं भी पार्किंग नहीं बनाई गई है, जिसके चलते लोग भी मजबूरी वश वाहनों की पार्किंग कर रहे हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. 'मानव' को चेन्नई में मिला विशिष्ट साहित्य-सेवा सम्मान

तमिलनाडु राजभवन में राज्यपाल आरएन रवि ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास 'मानव' को, भाषा, साहित्य और अनुवाद के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के दृष्टिगत, आज चेन्नई में विशिष्ट साहित्य-सेवा सम्मान प्रदान किया गया। तमिलनाडु राजभवन और सीआईसीटी, भारत सरकार, चेन्नई द्वारा महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 144वीं जन्म-जयंती और भारतीय भाषा दिवस-2025 के उपलक्ष्य में, राजभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल महामहिम आरएन रवि ने शॉल और प्रतीक-चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर राजभवन के प्रधान सचिव और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी आर. किर्लोश कुमार, सीआईसीटी की उपाध्यक्ष डॉ. सुधा शेषैया और निदेशक प्रो. आर. चंद्रशेखरन सहित देश-भर से आये विभिन्न भाषाओं के शताधिक विद्वान, साहित्यकार और अनुवादक उपस्थित रहे।

नारनौल। चेन्नई में सम्मानित होते हुए डा. रामनिवास मानव।

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में दो घंटे का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन

- बिजली कर्मचारियों ने पॉलिसी के विरोध में नारेबाजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

सरकार द्वारा शुरू की गई ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के क्रियान्वयन को लेकर एचएसईबी वर्कर यूनियन विरोध में उतर गई है। इस बारे में एडहॉक कमेटी के सदस्य एवं पूर्व सर्किल सचिव रामरतन शर्मा ने बताया कि सरकार की इस पॉलिसी को लेकर कर्मचारियों की केंद्रीय समिति ने हरियाणा सरकार के एसीएस को पत्र भेज कर ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के नकारात्मक पहलू बताए थे। पॉलिसी वापस न लेने पर उनकी ओर से विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी गई थी। सरकार द्वारा उक्त पॉलिसी लागू करने को लेकर शुक्रवार से छह चरणों में कर्मचारियों द्वारा प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने बताया कि 12 दिसंबर से कर्मचारी दो घंटे का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन शुरू करेगें। सब यूनिट कार्यालय कनीना में शुक्रवार को दो घंटे का विरोध प्रदर्शन किया गया जिसमें बिजली कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

कनीना। ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में विरोध प्रदर्शन करते बिजली कर्मचारी।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशनः पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो आरोपित किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जिला पुलिस द्वारा अपराध की रोकथाम और नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मुस्तैदी से कार्य कर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद कर दो आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

पहला मामला

थाना शहर महेंद्रगढ़ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आदर्श रामलीला के पास स्थित एक कैफे में छापेमारी की। पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। रेड के दौरान पुलिस ने मौके से आरोपी नीरज वासी बुडीन को काबू किया। तलाशी लेने पर 10 बोतल देसी शराब, 13 बोतल अंग्रेजी शराब और चार बोतल बीयर बरामद की गई। आरोपी शराब बेचने का कोई लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सका। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ थाना शहर में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

दूसरा मामला

थाना सदर की टीम ने बसई से पालड़ी रोड पर नाकाबंदी के दौरान कार्यवाही की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बसई से अवैध शराब लेकर पालडी की तरफ आ रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने श्रीभगवान निवासी पालडी थाना झोझू कलां जिला चरखी दादरी को काबू किया। आरोपित के पास एक प्लास्टिक का कट्टा था, तलाशी लेने पर कट्टे से 40 पव्वा और तीन बोतल देसी शराब बरामद हुई। आरोपित के खिलाफ थाना सदर में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। एसपी पूजा वशिष्ठ ने कहा कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन का मुख्य उद्देश्य जिले में अवैध गतिविधियों पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाना है। नशा तस्करी और अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कुंजपुरा में किसान गोष्ठी में प्राकृतिक खेती के प्रति किया गया जागरूक

- प्राकृतिक खेती अब सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि बन चुकी है आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव कुंजपुरा में प्राकृतिक खेती के लिए किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रजनीश कुमार खंड कृषि अधिकारी अटेली द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि देश में प्राकृतिक खेती का क्रेज बढ़ता जा रहा है और सरकार भी इसको बढ़ावा दे रही है। प्राकृतिक खेती अब सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुकी है। जो किसानों को समृद्ध और स्वस्थ भविष्य की ओर ले जा रही है। प्राकृतिक खेती के फायदों तथा सरकार की ओर से प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को दिए जाने वाले प्रोत्साहनों पर चर्चा करते हुए खंड कृषि अधिकारी डॉ. रजनीश कुमार ने बताया कि प्राकृतिक खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग नहीं किया जाता है। यह एक जीवाणुओं की खेती है, यह खेती मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाती है, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करती है और किसानों की आय में भी वृद्धि करती है। प्राकृतिक खेती में गौमूत्र, गाय का गोबर से बीजामृत, घन जीवामृत जैसे प्राकृतिक घोल तैयार कर उनका उपयोग किया जाता है।

मंडी अटेली। किसान गोष्ठी में जागरूक करते खंड कृषि अधिकारी डा. रजनीश कुमार।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हकेंवि में एनईपी अभिमुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में यूजीसी-मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर एमएमटीटीसी के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 अभिमुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। हकेंवि द्वारा आयोजित इस 29वें एनईपी उन्मुखीकरण कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के 60 से अधिक शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि एनईपी-2020 भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक परिवर्तनकारी दस्तावेज है, जो ज्ञान आधारित, नवाचारी और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण की दिशा में अग्रसर करता है। उन्होंने शिक्षकों और शोधकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अंतर्विषयकता, अनुसंधान आधारित शिक्षण और समग्र शिक्षा जैसे एनईपी के सिद्धांतों को अपनी शिक्षण एवं संस्थागत कार्यप्रणालियों में अपनाएं।

विरोध 12 से 16 दिसंबर तक सब यूनिट लेवल पर रहेगा जारी

ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में बिजली कर्मियों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

कुरहावटा रोड स्थित बिजली निगम कार्यालय में शुक्रवार को एचएसईबी वर्कस यूनियन हैड कार्यालय भिवानी के आह्वान पर ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के खिलाफ कर्मचारियों ने दो घंटे विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों के इस विरोध प्रदर्शन में सिटी सब यूनिट, सर्बन सब यूनिट व सिटी एल सब यूनिट के कर्मचारी शामिल रहें। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता यूनिट प्रधान नवीन कुमार व मं संचालन दीपक यादव ने किया। इस दौरान कर्मचारी नेता सरकार व निगम मैनेजमेंट पर जमकर बरसे। दीपक यादव ने बताया कि ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी किसी भी प्रकार से कर्मचारी या उपभोक्ता के हित में नहीं है। अगर ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू होती है तो हजारों तकनीकी कर्मचारी मौत के मुंह में धकेले जाएंगे। यह धरना प्रदर्शन 12 दिसंबर से 16 दिसंबर तक सब यूनिट लेवल पर जारी रहेगा। अगर समय रहते निगम मैनेजमेंट ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी को रद्द करके इस मुद्दे पर बातचीत के लिए संगठन को नही बुलाता है तो इस विरोध प्रदर्शन को उच्च स्तर पर ले जाया जाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की औधोगिक अशांती या उपभोक्ताओ को कोई परेशानी होती है तो निगम मैनेजमेंट पूर्ण रूप से इसका जिम्मेवार होगा। प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी 2025 को कर्मचारी विरोधी बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की।

महेंद्रगढ़। बिजली निगम कार्यालय में बैठक करते कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

पत्र लिखकर आपत्तियां दर्ज करवाई

सभा को संबोधित करते हुए प्रधान ने बताया कि यूनियन की केंद्रीय परिषद ने एक दिसंबर को अतिरिक्त मुख्य सचिव विद्युत विभाग हरियाणा को पत्र लिखकर पॉलिसी पर गंभीर आपत्तियां दर्ज करवाई थी। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग का कार्य अत्यंत तकनीकी, जोखिमपूर्ण और उपभोक्ता सेवा से सीधे जुड़ा हुआ है। ऐसे में एक समान ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी लागू करना कर्मचारियों की सुरक्षा, विभागीय कार्यकुशलता और उपभोक्ता सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। नए कार्यस्थल पर क्षेत्र व लाइन रूट की जानकारी न होने के कारण कर्मचारियों के लिए जानलेवा हादसों की संभावना कई गुना बढ़ जाएगी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर यूनिट प्रधान नवीन, सचिव अनिल, सब-यूनिट प्रधान शेरसिंह, सचिव दीपक यादव, प्रधान प्रवीन, सचिव नवीन, सचिव दीपक, सतीश जेई, जितेंद्र जेई, जेई अमरजीत, जेई नवीन, एएलएम संजीव, एएलएम संदीप, एएसएसए योगेन्द्र, एलएम अजय, सीए अमित, सीए संजय, एलडीसी राकेश, एएफएम ओमप्रकाश, एएफएम वीरेंद्र, एएफएम गोरीशंकर, एएफएम रविंद्र, मंजीत, योगेश, एलएम प्रदीप, एसएसए सत्यनारायण सहित अनेक बिजली निगम कर्मचारी मौजूद रहे।